6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5=10)

(क) रामभक्ति

(ख) द्विवेदी युग

(ग) सूफी काव्य

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1305 **K**

Unique Paper Code : 62051103

Name of the Paper : Hindi 'B'

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

SRI AUROBINDO COLLEGE
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (10+10+10=30)

(क) यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान।।

P.T.O.

अथवा

कृपासिंधु बोले मुसुकाई। सोई करु जेहिं तव नाव न जाई।।
बेगि आनु जल पाय परवारु। होत बिलंबु उतारहि पारू।।
जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।।
सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।।

(ख) बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सोहैं करें भौंहनु हंस, दैन कहैं नटि जाइ।।

अथवा

रूपनिधान सुजान सखी जब तें इन नैननि नेकु निहारे।
दीठि थकी अनुराग-छकी मति लाज के साज-समाज बिसारे।

(ग) सुधा-धार यह नीरस दिल की
मस्ती मगन तपस्वी की।
जीवन ज्योति नष्ट नयनों की
सच्ची लगन मनस्वी की

SRI AUROBINDO COLLEGE
श्री अरविन्द महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI

अथवा

कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;
श्याम तन, भर बंधा यौवन,
नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार:-
सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।

2. कबीरदास **अथवा** तुलसीदास का साहित्यिक परिचय लिखिए। (10)

3. बिहारी **अथवा** घनानंद के काव्य सौंदर्य पर प्रकाश डालिए। (10)

4. पाठ्यक्रम में संकलित सूर्यकांत त्रिपाठी निराला **या** सुभद्रा कुमारी चौहान की रचना की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। (10)

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए: (5)

(क) अवधी

(ख) हिन्दी का विकास